॥ श्रीहरिः ॥ 1707

# श्रीलक्ष्मीसहस्रनामस्तोत्रम्

## ( नामावलिसहितम् )

### ( संक्षिप्त प्रयोग-विधिसहित )

GITA PRESS, GORAKHPUR [SINCE 1923]

॥ श्रीहरिः ॥

# संक्षिप्त प्रयोग-विधि

सर्वप्रथम स्नान आदिसे पवित्र हो जाय। जब सहस्रनामस्तोत्रका पाठ करना हो अथवा सहस्रार्चन करना हो, श्रीलक्ष्मीजीकी प्रतिमाको अपने सम्मुख किसी काष्ठपीठ आदिपर यथाविधि स्थापित कर ले, अपने बैठनेका आसन भी लगा ले। पूजन आदिकी सभी सामग्रियोंको यथास्थान रखकर अपने आसनपर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख बैठ जाय। दीपक जलाकर पूर्वाभिमुख रख दे और हाथ धो ले। '**दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते**' कहकर पुष्प अर्पितकर कर्मसाक्षी दीपकका पूजन कर ले। तिलक लगा ले तथा निम्न मन्त्रोंसे आचमन करे—

'**ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।**'

तथा '**ॐ हृषीकेशाय नमः**' कहकर हाथ धो ले।

निम्न मन्त्रसे अपने ऊपर जल छिड़ककर मार्जन कर ले—

**ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।**
**यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥**

**ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।**

तदनन्तर दाहिने हाथमें जल, पुष्प तथा अक्षत लेकर निम्न संकल्प करे—

**ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशे ....नगरे/ग्रामे ....वैक्रमाब्दे**

**....संवत्सरे ....मासे ....पक्षे ....तिथौ ....वासरे ....गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्तोऽहं श्रीलक्ष्मीप्रीत्यर्थं* सहस्रनामस्तोत्रपाठं करिष्ये।** (यदि सहस्रार्चन करना हो तो '**सहस्रनामार्चनं करिष्ये**'—ऐसा बोलना चाहिये।)

हाथका जलाक्षत छोड़ दे। कार्यकी निर्विघ्न सिद्धिके लिये श्रीगणेशजीका स्मरण कर ले।

इसके बाद नीचे लिखे मन्त्रोंसे पंचोपचार मानस-पूजन करके स्तोत्रका पाठ करना चाहिये—

---

* अगर किसी कामनाकी सिद्धिके लिये सहस्रार्चन करना हो तो संकल्पमें '**यथेप्सितकार्यसिद्धिद्वारा श्रीलक्ष्मीप्रीत्यर्थं यथालब्धोपचारैः पूजनपूर्वकं ....द्रव्यैः सहस्रार्चनं करिष्ये**'—ऐसी योजना कर ले।

**मानस-पूजन—**

**१-ॐ लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।**

(प्रभो! मैं पृथिवीरूप गन्ध (चन्दन) आपको अर्पित करता हूँ।)

**२-ॐ हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।**

(प्रभो! मैं आकाशरूप पुष्प आपको अर्पित करता हूँ।)

**३-ॐ यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।**

(प्रभो! मैं वायुदेवके रूपमें धूप आपको प्रदान करता हूँ।)

**४-ॐ रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।**

(प्रभो! मैं अग्निदेवके रूपमें दीपक आपको प्रदान करता हूँ।)

**५-ॐ वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।**

(प्रभो! मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूँ।)

**६-ॐ सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।**

(प्रभो! मैं सर्वात्माके रूपमें संसारके सभी उपचारोंको आपके चरणोंमें समर्पित करता हूँ।)

इन मन्त्रोंसे भावनापूर्वक मानसपूजा की जा सकती है।

सहस्त्रार्चन करते समय उपलब्ध सामग्रियोंसे षोडशोपचार या पंचोपचार-पूजन करना चाहिये, तदनन्तर सहस्त्रनामावलीके प्रत्येक नाममन्त्रसे सामग्री श्रीलक्ष्मीजीपर चढ़ाये। स्त्रियों तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है, उन्हें

प्रत्येक नामके पहले '**ॐ**' के स्थानपर '**श्री**' शब्दका प्रयोग करना चाहिये, जैसे— '**श्रीलक्ष्म्यै नमः**।' अन्तमें आरती, पुष्पांजलि तथा क्षमा-प्रार्थना करके अर्चनको पूर्ण करे।

~~~○~~~
~~~

॥ श्रीहरिः ॥

# श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रम्

श्रीः पद्मा प्रकृतिः सत्त्वा शान्ता चिच्छक्तिरव्यया।
केवला निष्कला शुद्धा व्यापिनी व्योमविग्रहा ॥ १ ॥

व्योमपद्मकृताधारा परा व्योमामृतोद्भवा।
निर्व्योमा व्योममध्यस्था पञ्चव्योमपदाश्रिता ॥ २ ॥

अच्युता व्योमनिलया परमानन्दरूपिणी।
नित्यशुद्धा नित्यतृप्ता निर्विकारा निरीक्षणा॥ ३॥

ज्ञानशक्तिः कर्तृशक्तिर्भोक्तृशक्तिः शिखावहा।
स्नेहाभासा निरानन्दा विभूतिर्विमला चला॥ ४॥

अनन्ता वैष्णवी व्यक्ता विश्वानन्दा विकाशिनी।
शक्तिर्विभिन्नसर्वार्तिः समुद्रपरितोषिणी॥ ५॥

मूर्तिः सनातनी हार्दी निस्तरङ्गा निरामया।
ज्ञानज्ञेया ज्ञानगम्या ज्ञानज्ञेयविकाशिनी॥ ६॥

स्वच्छन्दशक्तिर्गहना निष्कम्पार्चिः सुनिर्मला।
स्वरूपा सर्वगा पारा बृंहिणी सुगुणोर्जिता॥ ७॥

अकलङ्का निराधारा निःसंकल्पा निराश्रया।
असंकीर्णा सुशान्ता च शाश्वती भासुरी स्थिरा॥ ८॥

अनौपम्या निर्विकल्पा नियन्त्रा यन्त्रवाहिनी।
अभेद्या भेदिनी भिन्ना भारती वैखरी खगा॥ ९ ॥

अग्राह्या ग्राहिका गूढा गम्भीरा विश्वगोपिनी।
अनिर्देश्याप्रतिहता निर्बीजा पावनी परा॥ १० ॥

अप्रतर्क्या परिमिता भवभ्रान्तिविनाशिनी।
एका द्विरूपा त्रिविधा असंख्याता सुरेश्वरी॥ ११ ॥

सुप्रतिष्ठा महाधात्री स्थितिर्वृद्धिर्ध्रुवा गतिः।
ईश्वरी महिमा ऋद्धिः प्रमोदा उज्ज्वलोद्यमा॥ १२॥

अक्षया वर्द्धमाना च सुप्रकाशा विहङ्गमा।
नीरजा जननी नित्या जया रोचिष्मती शुभा॥ १३॥

तपोनुदा च ज्वाला च सुदीप्तिश्चांशुमालिनी।
अप्रमेया त्रिधा सूक्ष्मा परा निर्वाणदायिनी॥ १४॥

अवदाता सुशुद्धा च अमोघाख्या परम्परा।
संधानकी शुद्धविद्या सर्वभूतमहेश्वरी॥ १५॥

लक्ष्मीस्तुष्टिर्महाधीरा शान्तिरापूरणेन वा।
अनुग्रहाशक्तिराद्या जगज्ज्येष्ठा जगद्विधिः॥ १६॥

सत्या प्रह्वा क्रिया योग्या अपर्णा ह्लादिनी शिवा।
सम्पूर्णा ह्लादिनी शुद्धा ज्योतिष्मत्यमृतावहा॥ १७॥

रजोवत्यर्कप्रतिभाऽऽकर्षिणी कर्षिणी रसा ।
परावसुमती देवा कान्तिः शान्तिर्मतिः कला ॥ १८ ॥

कला कलङ्करहिता विशालोद्दीपनी रतिः ।
सम्बोधिनी हारिणी च प्रभावा भवभूतिदा ॥ १९ ॥

अमृतस्यन्दिनी जीवा जननी खण्डिका स्थिरा ।
धूमा कलावती पूर्णा भासुरा सुमतीरसा ॥ २० ॥

शुद्धा ध्वनिः सृतिः सृष्टिर्विकृतिः कृष्टिरेव च।
प्रापणी प्राणदा प्रह्वा विश्वा पाण्डुरवासिनी॥ २१॥

अवनिर्वज्रनलिका चित्रा ब्रह्माण्डवासिनी।
अनन्तरूपानन्तात्मानन्तस्थानन्तसम्भवा॥ २२॥

महाशक्तिः प्राणशक्तिः प्राणदात्री रतिम्भरा।
महासमूहा निखिला इच्छाधारा सुखावहा॥ २३॥

प्रत्यक्षलक्ष्मीर्निष्कम्पा प्ररोहाबुद्धिगोचरा।
नानादेहा महावर्ता बहुदेहविकासिनी॥ २४॥

सहस्त्राणी प्रधाना च न्यायवस्तुप्रकाशिका।
सर्वाभिलाषपूर्णेच्छा सर्वा सर्वार्थभाषिणी॥ २५॥

नानास्वरूपचिद्धात्री शब्दपूर्वा पुरातना।
व्यक्ताव्यक्ता जीवकेशा सर्वेच्छापरिपूरिता॥ २६॥

संकल्पसिद्धा सांख्येया तत्त्वगर्भा धरावहा।
भूतरूपा चित्स्वरूपा त्रिगुणा गुणगर्विता॥ २७॥

प्रजापतीश्वरी रौद्री सर्वाधारा सुखावहा।
कल्याणवाहिका कल्या कलिकल्मषनाशिनी॥ २८॥

नीरूपोद्भिन्नसंताना सुयन्त्रा त्रिगुणालया।
महामाया योगमाया महायोगेश्वरी प्रिया॥ २९॥

महास्त्री विमला कीर्तिर्जया लक्ष्मीर्निरञ्जना ।
प्रकृतिर्भगवन्माया शक्तिर्निद्रा यशस्करी ॥ ३० ॥
चिन्ताबुद्धिर्यशःप्राज्ञाशान्तिराप्रीतिवर्द्धिनी ।
प्रद्युम्नमाता साध्वी च सुखसौभाग्यसिद्धिदा ॥ ३१ ॥
काष्ठा निष्ठा प्रतिष्ठा च ज्येष्ठा श्रेष्ठा जयावहा ।
सर्वातिशायिनी प्रीतिर्विश्वशक्तिर्महाबला ॥ ३२ ॥

वरिष्ठा विजया वीरा जयन्ती विजयप्रदा।
हृद्गृहा गोपिनी गुह्या गणगन्धर्वसेविता॥ ३३॥

योगीश्वरी योगमाया योगिनी योगसिद्धिदा।
महायोगेश्वरवृता योगा योगेश्वरप्रिया॥ ३४॥

ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमिता सुरासुरवरप्रदा।
त्रिवर्त्मगा त्रिलोकस्था त्रिविक्रमपदोद्भवा॥ ३५॥

सुतारा तारिणी तारा दुर्गा संतारिणी परा।
सुतारिणी तारयन्ती भूरितारेश्वरप्रभा॥ ३६॥

गुह्यविद्या यज्ञविद्या महाविद्या सुशोभिता।
अध्यात्मविद्याविघ्नेशी पद्मस्था परमेष्ठिनी॥ ३७॥

आन्वीक्षिकी त्रयीवार्ता दण्डनीतिर्नयात्मिका।
गौरी वागीश्वरी गोप्त्री गायत्री कमलोद्भवा॥ ३८॥

विश्वम्भरा विश्वरूपा विश्वमाता वसुप्रदा।
सिद्धिः स्वाहा स्वधा स्वस्तिः सुधा सर्वार्थसाधिनी ॥ ३९ ॥

इच्छा सृष्टिर्द्युतिर्मूर्तिः कीर्तिः श्रद्धा दयामतिः।
श्रुतिर्मेधा धृतिर्ह्रीः श्रीर्विद्या विबुधवन्दिता ॥ ४० ॥

अनसूया घृणा नीतिर्निर्वृतिः कामधुक्करा।
प्रतिज्ञा संततिर्भूतिर्द्यौः प्रज्ञा विश्वमानिनी ॥ ४१ ॥

स्मृतिर्वाग्विश्वजननी पश्यन्ती मध्यमा समा।
संध्या मेधा प्रभा भीमा सर्वाकारा सरस्वती॥ ४२॥

काङ्क्षा माया महामाया मोहिनी माधवप्रिया।
सौम्या भोगा महाभोगा भोगिनी भोगदायिनी॥ ४३॥

सुधौतकनकप्रख्या सुवर्णकमलासना।
हिरण्यगर्भा सुश्रोणी हारिणी रमणी रमा॥ ४४॥

चन्द्रा हिरणमयी ज्योत्स्ना रम्या शोभा शुभावहा।
त्रैलोक्यमण्डना नारी नरेश्वरवरार्चिता॥ ४५॥

त्रैलोक्यसुन्दरी रामा महाविभववाहिनी।
पद्मस्था पद्मनिलया पद्ममालाविभूषिता॥ ४६॥

पद्मयुग्मधरा कान्ता दिव्याभरणभूषिता।
विचित्ररत्नमुकुटा विचित्राम्बरभूषणा॥ ४७॥

विचित्रमाल्यगन्धाढ्या विचित्रायुधवाहना।
महानारायणी देवी वैष्णवी वीरवन्दिता॥ ४८॥

कालसंकर्षिणी घोरा तत्त्वसंकर्षिणी कला।
जगत्सम्पूरणी विश्वा महाविभवभूषणा॥ ४९॥

वारुणी वरदा व्याख्या घण्टाकर्णविराजिता।
नृसिंही भैरवी ब्राह्मी भास्करी व्योमचारिणी॥ ५०॥

ऐन्द्री कामधेनुः सृष्टिः कामयोनिर्महाप्रभा।
दृष्टा काम्या विश्वशक्तिर्बीजगत्यात्मदर्शना ॥ ५१ ॥

गरुडारूढहृदया चान्द्री श्रीर्मधुरानना।
महोग्ररूपा वाराही नारसिंही हतासुरा ॥ ५२ ॥

युगान्तहुतभुग्ज्वाला कराला पिङ्गला कला।
त्रैलोक्यभूषणा भीमा श्यामा त्रैलोक्यमोहिनी ॥ ५३ ॥

महोत्कटा महारक्ता महाचण्डा महासना।
शङ्खिनी लेखिनी स्वस्थालिखिता खेचरेश्वरी ॥ ५४ ॥

भद्रकाली चैकवीरा कौमारी भवमालिनी।
कल्याणी कामधुग्ज्वालामुखी चोत्पलमालिका ॥ ५५ ॥

बालिका धनदा सूर्या हृदयोत्पलमालिका।
अजिता वर्षिणी रीतिर्भरुण्डा गरुडासना ॥ ५६ ॥

वैश्वानरी महामाया महाकाली विभीषणा।
महामन्दारविभवा शिवानन्दा रतिप्रिया॥ ५७॥

उद्रीतिः पद्ममाला च धर्मवेगा विभावनी।
सत्क्रिया देवसेना च हिरण्यरजताश्रया॥ ५८॥

सहसावर्तमाना च हस्तिनादप्रमोदिनी।
हिरण्यपद्मवर्णा च हरिभद्रा सुदुर्द्धरा॥ ५९॥

सूर्या हिरण्यप्रकटसदृशी हेममालिनी।
पद्मानना नित्यपुष्टा देवमाताऽमृतोद्भवा॥ ६०॥

महाधना च या शृङ्गी कार्दमी कम्बुकन्धरा।
आदिंत्यवर्णा चन्द्राभा गन्धद्वारा दुरासदा॥ ६१॥

वरार्चिता वरारोहा वरेण्या विष्णुवल्लभा।
कल्याणी वरदा वामा वामेशी विन्ध्यवासिनी॥ ६२॥

योगनिद्रा योगरता देवकी कामरूपिणी।
कंसविद्राविणी दुर्गा कौमारी कौशिकी क्षमा ॥ ६३ ॥

कात्यायनी कालरात्रिर्निशितृप्ता सुदुर्जया।
विरूपाक्षी विशालाक्षी भक्तानां परिरक्षिणी ॥ ६४ ॥

बहुरूपा स्वरूपा च विरूपा रूपवर्जिता।
घण्टानिनादबहुला जीमूतध्वनिनिःस्वना ॥ ६५ ॥

महादेवेन्द्रमथिनी भ्रुकुटीकुटिलानना।
सत्योपयाचिता चैका कौबेरी ब्रह्मचारिणी॥ ६६ ॥

आर्या यशोदा सुतदा धर्मकामार्थमोक्षदा।
दारिद्र्यदुःखशमनी घोरदुर्गार्तिनाशिनी॥ ६७ ॥

भक्तार्तिशमनी भव्या भवभर्गापहारिणी।
क्षीराब्धितनया पद्मा कमला धरणीधरा॥ ६८ ॥

रुक्मिणी रोहिणी सीता सत्यभामा यशस्विनी।
प्रज्ञाधारामितप्रज्ञा वेदमाता यशोवती॥ ६९॥
समाधिर्भावना मैत्री करुणा भक्तवत्सला।
अन्तर्वेदी दक्षिणा च ब्रह्मचर्यपरा गतिः॥ ७०॥
दीक्षा वीक्षा परीक्षा च समीक्षा वीरवत्सला।
अम्बिका सुरभिः सिद्धा सिद्धविद्याधरार्चिता॥ ७१॥

सुदीक्षा लेलिहाना च कराला विश्वपूरका।
विश्वसंधारिणी दीप्तिस्तापनी ताण्डवप्रिया॥ ७२॥

उद्भवा विरजा राज्ञी तापनी बिन्दुमालिनी।
क्षीरधारा सुप्रभावा लोकमाता सुवर्चसा॥ ७३॥

हव्यगर्भा चाज्यगर्भा जुह्वतो यज्ञसम्भवा।
आप्यायनी पावनी च दहनी दहनाश्रया॥ ७४॥

मातृका माधवी मुख्या मोक्षलक्ष्मीर्महर्द्धिदा।
सर्वकामप्रदा भद्रा सुभद्रा सर्वमङ्गला॥ ७५॥

श्वेता सुशुक्लवसना शुक्लमाल्यानुलेपना।
हंसाहीनकरी हंसी हृद्या हृत्कमलालया॥ ७६॥

सितातपत्रा सुश्रोणी पद्मपत्रायतेक्षणा।
सावित्री सत्यसंकल्पा कामदाकामकामिनी॥ ७७॥

दर्शनीया दृशा दृश्या स्पृश्या सेव्या वराङ्गना।
भोगप्रिया भोगवती भोगीन्द्रशयनासना॥ ७८॥

आर्द्रा पुष्करिणी पुण्या पावनी पापसूदनी।
श्रीमती च शुभाकारा परमैश्वर्यभूतिदा॥ ७९॥

अचिन्त्यानन्तविभवा भवभावविभावनी।
निश्रेणिः सर्वदेहस्था सर्वभूतनमस्कृता॥ ८०॥

बला बलाधिका देवी गौतमी गोकुलालया।
तोषिणी पूर्णचन्द्राभा एकानन्दा शतानना॥ ८१॥

उद्यानगरद्वारहर्म्योपवनवासिनी ।
कूष्माण्डा दारुणा चण्डा किराती नन्दनालया॥ ८२॥

कालायना कालगम्या भयदा भयनाशिनी।
सौदामनी मेघरवा दैत्यदानवमर्दिनी॥ ८३॥

जगन्माताभयकरी भूतधर्त्री सुदुर्लभा।
काश्यपी शुभदात्री च वनमाला शुभा वरा॥ ८४॥

धन्या धन्येश्वरी धन्या रत्नदा वसुवर्द्धिनी।
गान्धर्वी रेवती गङ्गा शकुनी विमलानना॥ ८५॥

इडा शान्तिकरी चैव तामसी कमलालया।
आज्यपा वज्रकौमारी सोमपा कुसुमाश्रया॥ ८६॥

जगत्प्रिया च सरथा दुर्जया खगवाहना।
मनोभवा कामचारा सिद्धचारणसेविता॥ ८७॥

व्योमलक्ष्मीर्महालक्ष्मीस्तेजोलक्ष्मीः सुजाज्वला।
रसलक्ष्मीर्जगद्योनिर्गन्धलक्ष्मीर्वनाश्रया ॥ ८८॥

श्रवणा श्रावणी नेत्री रसनाप्राणचारिणी।
विरिञ्चिमाता विभवा वरवारिजवाहना॥ ८९॥

वीर्या वीरेश्वरी वन्द्या विशोका वसुवर्द्धिनी।
अनाहता कुण्डलिनी नलिनी वनवासिनी॥ १०॥

गान्धारिणीन्द्रनमिता सुरेन्द्रनमिता सती।
सर्वमङ्गल्यमाङ्गल्या सर्वकामसमृद्धिदा॥ ११॥

सर्वानन्दा महानन्दा सत्कीर्तिः सिद्धसेविता।
सिनीवाली कुहू राका अमा चानुमतिर्द्युतिः॥ १२॥

अरुन्धती वसुमती भार्गवी वास्तुदेवता।
मायूरी वज्रवेताली वज्रहस्ता वरानना॥ १३॥

अनघा धरणिर्धीरा धमनी मणिभूषणा।
राजश्री रूपसहिता ब्रह्मश्रीर्ब्रह्मवन्दिता॥ १४॥

जयश्रीर्जयदा ज्ञेया सर्गश्रीः स्वर्गतिः सताम्।
सुपुष्पा पुष्पनिलया फलश्रीर्निष्कलप्रिया॥ १५॥

धनुर्लक्ष्मीस्त्वमिलिता परक्रोधनिवारिणी।
कद्रूर्धनायुः कपिला सुरसा सुरमोहिनी॥ १६॥

महाश्वेता महानीला महामूर्तिर्विषापहा।
सुप्रभा ज्वालिनी दीप्तिस्तृप्तिर्व्याप्तिप्रभाकरी॥ १७॥

तेजोवती पद्मबोधा मदलेखारुणावती।
रत्ना रत्नावली भूता शतधामा शतापहा॥ १८॥

त्रिगुणा घोषिणी रक्ष्या नर्दिनी घोषवर्जिता ।
साध्यादितिर्दितिर्देवी मृगवाहा मृगाङ्कगा ॥ ९९ ॥

चित्रनीलोत्पलगता वृषरत्नकराश्रया ।
हिरण्यरजतद्वन्द्वा शङ्खभद्रासनस्थिता ॥ १०० ॥

गोमूत्रगोमयक्षीरदधिसर्पिर्जलाश्रया ।
मरीचिश्चीरवसना पूर्णा चन्द्रार्कविष्टरा ॥ १०१ ॥

सुसूक्ष्मा निर्वृतिः स्थूला निवृत्तारातिरेव च।
मरीचिर्ज्वालिनी धूम्रा हव्यवाहा हिरण्यदा॥ १०२॥

दायिनी कालिनी सिद्धिः शोषिणी सम्प्रबोधिनी।
भास्वरा संहतिस्तीक्ष्णा प्रचण्डज्वलनोज्ज्वला॥ १०३॥

साङ्गा प्रचण्डा दीप्ता च वैद्युतिः सुमहाद्युतिः।
कपिला नीलरक्ता च सुषुम्णा विस्फुलिङ्गिनी॥ १०४॥

अर्चिष्मती रिपुहरा दीर्घा धूमावली जरा।
सम्पूर्णमण्डला पूषा स्त्रंसिनी सुमनोहरा॥ १०५॥

जया पुष्टिकरीच्छाया मानसाहृदयोज्ज्वला।
सुवर्णकरणी श्रेष्ठा मृतसञ्जीवनीरणे॥ १०६॥

विशल्यकरणी शुभ्रा संधिनी परमौषधिः।
ब्रह्मिष्ठा ब्रह्मसहिता ऐन्दवी रत्नसम्भवा॥ १०७॥

विद्युत्प्रभा बिन्दुमती त्रिस्वभावगुणाम्बिका।
नित्योदिता नित्यहृष्टा नित्यकामकरीषिणी॥ १०८॥

पद्माङ्का वज्रचिह्ना च वक्रदण्डविभासिनी।
विदेहपूजिता कन्या माया विजयवाहिनी॥ १०९॥

मानिनी मङ्गला मान्या मानिनी मानदायिनी।
विश्वेश्वरी गणवती मण्डला मण्डलेश्वरी॥ ११०॥

हरिप्रिया भौमसुता मनोज्ञा मतिदायिनी ।
प्रत्यङ्गिरा सोमगुप्ता मनोऽभिज्ञा वदन्मतिः ॥ १११ ॥

यशोधरा रत्नमाला कृष्णा त्रैलोक्यबन्धनी ।
अमृता धारिणी हर्षा विनता वल्लकी शची ॥ ११२ ॥

संकल्पा भामिनी मिश्रा कादम्बर्यमृता प्रभा ।
अगता निर्गता वज्रा सुहिता सहिताक्षता ॥ ११३ ॥

सर्वार्थसाधनकरी धातुर्धारणिकामला।
करुणाधारसम्भूता कमलाक्षी शशिप्रिया॥ ११४॥

सौम्यरूपा महादीप्ता महाज्वाला विकाशिनी।
माला काञ्चनमाला च सद्वज्रा कनकप्रभा॥ ११५॥

प्रक्रिया परमा योक्त्री क्षोभिका च सुखोदया।
विजृम्भणा च वज्राख्या शृङ्खला कमलेक्षणा॥ ११६॥

जयङ्करी मधुमती हरिता शशिनी शिवा।
मूलप्रकृतिरीशानी योगमाता मनोजवा॥ ११७॥

धर्मोदया भानुमती सर्वाभासा सुखावहा।
धुरन्धरा च बाला च धर्मसेव्या तथागता॥ ११८॥

सुकुमारा सौम्यमुखी सौम्यसम्बोधनोत्तमा।
सुमुखी सर्वतोभद्रा गुह्यशक्तिर्गुहालया॥ ११९॥

हलायुधा चैकवीरा सर्वशस्त्रसुधारिणी।
व्योमशक्तिर्महादेहा व्योमगा मधुमन्मयी॥ १२०॥

गङ्गा वितस्ता यमुना चन्द्रभागा सरस्वती।
तिलोत्तमोर्वशी रम्भा स्वामिनी सुरसुन्दरी॥ १२१॥

बाणप्रहरणा बाला बिम्बोष्ठी चारुहासिनी।
ककुद्मिनी चारुपृष्ठा दृष्टादृष्टफलप्रदा॥ १२२॥

काम्याचरी च काम्या च कामाचारविहारिणी।
हिमशैलेन्द्रसंकाशा गजेन्द्रवरवाहना॥ १२३॥

अशेषसुखसौभाग्यसम्पदां योनिरुत्तमा।
सर्वोत्कृष्टा सर्वमयी सर्वा सर्वेश्वरप्रिया॥ १२४॥

सर्वाङ्गयोनिः साव्यक्ता सम्प्रधानेश्वरेश्वरी।
विष्णुवक्षःस्थलगता किमतः परमुच्यते॥ १२५॥

परा निर्महिमा देवी हरिवक्षःस्थलाश्रया।
सा देवी पापहन्त्री च सांनिध्यं कुरुतान्मम ॥ १२६ ॥

॥ फलश्रुतिः ॥

इति नाम्नां सहस्त्रं तु लक्ष्म्याः प्रोक्तं शुभावहम्।
परावरेण भेदेन मुख्यगौणेन भागतः ॥ १२७ ॥

यश्चैतत् कीर्तयेन्नित्यं शृणुयाद् वापि पद्मज।
शुचिः समाहितो भूत्वा भक्तिश्रद्धासमन्वितः ॥ १२८ ॥

श्रीनिवासं समभ्यर्च्य पुष्पधूपानुलेपनैः।
भोगैश्च मधुपर्काद्यैर्यथाशक्ति जगद्गुरुम्॥ १२९॥

तत्पार्श्वस्थां श्रियं देवीं सम्पूज्य श्रीधरप्रियाम्।
ततो नामसहस्त्रेण तोषयेत् परमेश्वरीम्॥ १३०॥

नामरत्नावलीस्तोत्रमिदं यः सततं पठेत्।
प्रसादाभिमुखीलक्ष्मीः सर्वं तस्मै प्रयच्छति॥ १३१॥

यस्या लक्ष्म्याश्च सम्भूताः शक्तयो विश्वगाः सदा।
कारणत्वेन तिष्ठन्ति जगत्यस्मिंश्चराचरे॥ १३२॥

तस्मात् प्रीता जगन्माता श्रीर्यस्याच्युतवल्लभा।
सुप्रीताः शक्तयस्तस्य सिद्धिमिष्टां दिशन्ति हि॥ १३३॥

एक एव जगत्स्वामी शक्तिमानच्युतः प्रभुः।
तदंशशक्तिमन्तोऽन्ये ब्रह्मेशानादयो यथा॥ १३४॥

तथैवैका परा शक्तिः श्रीस्तस्य करुणाश्रया।
ज्ञानादिषाड्गुण्यमयी या प्रोक्ता प्रकृतिः परा॥ १३५॥

एकैव शक्तिः श्रीस्तस्या द्वितीयात्मनि वर्तते।
परा परेशी सर्वेशी सर्वाकारा सनातनी॥ १३६॥

अनन्तनामधेया च शक्तिचक्रस्य नायिका।
जगच्चराचरमिदं सर्वं व्याप्य व्यवस्थिता॥ १३७॥

तस्मादेकैव परमा श्रीर्ज्ञेया विश्वरूपिणी।
सौम्या सौम्येन रूपेण संस्थिता नटजीववत्॥ १३८॥

यो यो जगति पुम्भावः स विष्णुरिति निश्चयः।
या या तु नारीभावस्था तत्र लक्ष्मीर्व्यवस्थिता॥ १३९॥

प्रकृतेः पुरुषाच्चान्यस्तृतीयो नैव विद्यते।
अतः किं बहुनोक्तेन नरनारीमयो हरिः॥ १४०॥

अनेकभेदभिन्नस्तु क्रियते परमेश्वरः।
महाविभूतिं दयितां ये स्तुवन्त्यच्युतप्रियाम्॥ १४१॥

ते प्राप्नुवन्ति परमां लक्ष्मीं संशुद्धचेतसः।
पद्मयोनिरिदं प्राप्य पठन् स्तोत्रमिदं क्रमात्॥ १४२॥

दिव्यमष्टगुणैश्वर्यं तत्प्रसादाच्च लब्धवान्।
सकामानां च फलदामकामानां च मोक्षदाम्॥ १४३॥

पुस्तकाख्यां भयत्रात्रीं सितवस्त्रां त्रिलोचनाम्।
महापद्मनिषण्णां तां लक्ष्मीमजरतां नुमः ॥ १४४ ॥

करयुगलगृहीतं पूर्णकुम्भं दधाना
क्वचिदमलगतस्था शङ्खपद्माक्षपाणिः।
क्वचिदपि दयिताङ्गे चामरव्यग्रहस्ता
क्वचिदपि सृणिपाशं बिभ्रती हेमकान्तिः ॥ १४५ ॥

॥ इति ब्रह्मपुराणे श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

# देवकृतलक्ष्मीस्तोत्रम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

क्षमस्व भगवत्यम्ब क्षमाशीले परात्परे।
शुद्धसत्त्वस्वरूपे च कोपादिपरिवर्जिते ॥ १ ॥

उपमे सर्वसाध्वीनां देवीनां देवपूजिते।
त्वया विना जगत्सर्वं मृततुल्यं च निष्फलम् ॥ २ ॥

सर्वसम्पत्स्वरूपा त्वं सर्वेषां सर्वरूपिणी।
रासेश्वर्यधिदेवी त्वं त्वत्कलाः सर्वयोषितः॥ ३॥

कैलासे पार्वती त्वं च क्षीरोदे सिन्धुकन्यका।
स्वर्गे च स्वर्गलक्ष्मीस्त्वं मर्त्यलक्ष्मीश्च भूतले॥ ४॥

वैकुण्ठे च महालक्ष्मीर्देवदेवी सरस्वती।
गङ्गा च तुलसी त्वं च सावित्री ब्रह्मलोकतः॥ ५॥

कृष्णप्राणाधिदेवी त्वं गोलोके राधिका स्वयम्।
रासे रासेश्वरी त्वं च वृन्दावनवने वने॥ ६॥

कृष्णप्रिया त्वं भाण्डीरे चन्द्रा चन्दनकानने।
विरजा चम्पकवने शतशृङ्गे च सुन्दरी॥ ७॥

पद्मावती पद्मवने मालती मालतीवने।
कुन्ददन्ती कुन्दवने सुशीला केतकीवने॥ ८॥

कदम्बमाला त्वं देवी कदम्बकाननेऽपि च।
राजलक्ष्मी राजगेहे गृहलक्ष्मीर्गृहे गृहे॥ ९ ॥

इत्युक्त्वा देवताः सर्वे मुनयो मनवस्तथा।
रुरुदुर्नम्रवदनाः शुष्ककण्ठोष्ठतालुकाः॥ १० ॥

इति लक्ष्मीस्तवं पुण्यं सर्वदेवैः कृतं शुभम्।
यः पठेत्प्रातरुत्थाय स वै सर्वं लभेद् ध्रुवम्॥ ११ ॥

अभार्यो लभते भार्यां विनीतां च सुतां सतीम्।
सुशीलां सुन्दरीं रम्यामतिसुप्रियवादिनीम्॥ १२॥

पुत्रपौत्रावतीं शुद्धां कुलजां कोमलां वराम्।
अपुत्रो लभते पुत्रं वैष्णवं चिरजीवनम्॥ १३॥

परमैश्वर्ययुक्तं च विद्यावन्तं यशस्विनम्।
भ्रष्टराज्यो लभेद्राज्यं भ्रष्टश्रीर्लभते श्रियम्॥ १४॥

हतबन्धुर्लभेद्बन्धुं धनभ्रष्टो धनं लभेत्।
कीर्तिहीनो लभेत्कीर्तिं प्रतिष्ठां च लभेद्ध्रुवम्॥ १५॥

सर्वमङ्गलदं स्तोत्रं शोकसंतापनाशनम्।
हर्षानन्दकरं शश्वद्धर्ममोक्षसुहृत्प्रदम्॥ १६॥

इति श्रीदेवकृतलक्ष्मीस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥

~~~○~~~
~~~

॥ श्रीलक्ष्म्यै नमः ॥

# श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ श्रियै नमः।

२ ॐ पद्मायै नमः।

३ ॐ प्रकृत्यै नमः।

४ ॐ सत्त्वायै नमः।

५ ॐ शान्तायै नमः।

६ ॐ चिच्छक्त्यै नमः।

७ ॐ अव्ययायै नमः।

८ ॐ केवलायै नमः।

९ ॐ निष्कलायै नमः।

१० ॐ शुद्धायै नमः।

११ ॐ व्यापिन्यै नमः।

१२ ॐ व्योमविग्रहायै नमः।

१३ ॐ व्योमपद्मकृताधारायै नमः।
१४ ॐ परस्यै नमः।
१५ ॐ व्योमामृतोद्भवायै नमः।
१६ ॐ निर्व्योमायै नमः।
१७ ॐ व्योममध्यस्थायै नमः।
१८ ॐ पञ्चव्योमपदाश्रितायै नमः।
१९ ॐ अच्युतायै नमः।
२० ॐ व्योमनिलयायै नमः।
२१ ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः।
२२ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
२३ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
२४ ॐ निर्विकारायै नमः।
२५ ॐ निरीक्षणायै नमः।
२६ ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः।
२७ ॐ कर्तृशक्त्यै नमः।
२८ ॐ भोक्तृशक्त्यै नमः।

२९ ॐ शिखावहायै नमः।

३० ॐ स्नेहाभासायै नमः।

३१ ॐ निरानन्दायै नमः।

३२ ॐ विभूत्यै नमः।

३३ ॐ विमलायै नमः।

३४ ॐ चलायै नमः।

३५ ॐ अनन्तायै नमः।

३६ ॐ वैष्णव्यै नमः।

३७ ॐ व्यक्तायै नमः।

३८ ॐ विश्वानन्दायै नमः।

३९ ॐ विकाशिन्यै नमः।

४० ॐ शक्त्यै नमः।

४१ ॐ विभिन्नसर्वार्त्यै नमः।

४२ ॐ समुद्रपरितोषिण्यै नमः।

४३ ॐ मूर्त्यै नमः।

४४ ॐ सनातन्यै नमः।

४५ ॐ हार्द्यै नमः।

४६ ॐ निस्तरङ्गायै नमः।

४७ ॐ निरामयायै नमः।

४८ ॐ ज्ञानज्ञेयायै नमः।

४९ ॐ ज्ञानगम्यायै नमः।

५० ॐ ज्ञानज्ञेयविकाशिन्यै नमः।

५१ ॐ स्वच्छन्दशक्त्यै नमः।

५२ ॐ गहनायै नमः।

५३ ॐ निष्कम्पार्चिषे नमः।

५४ ॐ सुनिर्मलायै नमः।

५५ ॐ स्वरूपायै नमः।

५६ ॐ सर्वगायै नमः।

५७ ॐ परायै नमः।

५८ ॐ बृंहिण्यै नमः।

५९ ॐ सुगुणोर्जितायै नमः।

६० ॐ अकलङ्कायै नमः।

६१ ॐ निराधारायै नमः।
६२ ॐ निःसंकल्पायै नमः।
६३ ॐ निराश्रयायै नमः।
६४ ॐ असंकीर्णायै नमः।
६५ ॐ सुशान्तायै नमः।
६६ ॐ शाश्वत्यै नमः।
६७ ॐ भासुर्यै नमः।
६८ ॐ स्थिरायै नमः।
६९ ॐ अनौपम्यायै नमः।
७० ॐ निर्विकल्पायै नमः।
७१ ॐ नियन्त्रायै नमः।
७२ ॐ यन्त्रवाहिन्यै नमः।
७३ ॐ अभेद्यायै नमः।
७४ ॐ भेदिन्यै नमः।
७५ ॐ भिन्नायै नमः।
७६ ॐ भारत्यै नमः।

७७ ॐ वैखर्यै नमः।
७८ ॐ खगायै नमः।
७९ ॐ अग्राह्यायै नमः।
८० ॐ ग्राहिकायै नमः।
८१ ॐ गूढायै नमः।
८२ ॐ गम्भीरायै नमः।
८३ ॐ विश्वगोपिन्यै नमः।
८४ ॐ अनिर्देश्यायै नमः।
८५ ॐ अप्रतिहतायै नमः।
८६ ॐ निर्बीजायै नमः।
८७ ॐ पावन्यै नमः।
८८ ॐ परस्यै नमः।
८९ ॐ अप्रतर्क्यायै नमः।
९० ॐ परिमितायै नमः।
९१ ॐ भवभ्रान्तिविनाशिन्यै नमः।
९२ ॐ एकस्यै नमः।

९३ ॐ द्विरूपायै नमः।
९४ ॐ त्रिविधायै नमः।
९५ ॐ असंख्यातायै नमः।
९६ ॐ सुरेश्वर्यै नमः।
९७ ॐ सुप्रतिष्ठायै नमः।
९८ ॐ महाधात्र्यै नमः।
९९ ॐ स्थित्यै नमः।
१०० ॐ वृद्ध्यै नमः।
१०१ ॐ ध्रुवायै नमः।
१०२ ॐ गत्यै नमः।
१०३ ॐ ईश्वर्यै नमः।
१०४ ॐ महिम्ने नमः।
१०५ ॐ ऋद्ध्यै नमः।
१०६ ॐ प्रमोदायै नमः।
१०७ ॐ उज्ज्वलोद्यमायै नमः।
१०८ ॐ अक्षयायै नमः।

१०९ ॐ वर्द्धमानायै नमः।
११० ॐ सुप्रकाशायै नमः।
१११ ॐ विहङ्गमायै नमः।
११२ ॐ नीरजायै नमः।
११३ ॐ जनन्यै नमः।
११४ ॐ नित्यायै नमः।
११५ ॐ जयायै नमः।
११६ ॐ रोचिष्मत्यै नमः।
११७ ॐ शुभायै नमः।
११८ ॐ तपोनुदायै नमः।
११९ ॐ ज्वालायै नमः।
१२० ॐ सुदीप्त्यै नमः।
१२१ ॐ अंशुमालिन्यै नमः।
१२२ ॐ अप्रमेयायै नमः।
१२३ ॐ त्रिधायै नमः।
१२४ ॐ सूक्ष्मायै नमः।

१२५ ॐ परस्यै नमः।
१२६ ॐ निर्वाणदायिन्यै नमः।
१२७ ॐ अवदातायै नमः।
१२८ ॐ सुशुद्धायै नमः।
१२९ ॐ अमोघाख्यायै नमः।
१३० ॐ परम्परायै नमः।
१३१ ॐ संधानक्यै नमः।
१३२ ॐ शुद्धविद्यायै नमः।
१३३ ॐ सर्वभूतमहेश्वर्यै नमः।
१३४ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१३५ ॐ तुष्ट्यै नमः।
१३६ ॐ महाधीरायै नमः।
१३७ ॐ आपूरणेन शान्त्यै नमः।
१३८ ॐ अनुग्रहायै नमः।
१३९ ॐ शक्त्यै नमः।
१४० ॐ आद्यायै नमः।

१४१ ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः।
१४२ ॐ जगद्विधये नमः।
१४३ ॐ सत्यायै नमः।
१४४ ॐ प्रह्वायै नमः।
१४५ ॐ क्रियायै नमः।
१४६ ॐ योग्यायै नमः।
१४७ ॐ अपर्णायै नमः।
१४८ ॐ ह्लादिन्यै नमः।
१४९ ॐ शिवायै नमः।
१५० ॐ सम्पूर्णायै नमः।
१५१ ॐ ह्लादिन्यै नमः।
१५२ ॐ शुद्धायै नमः।
१५३ ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः।
१५४ ॐ अमृतावहायै नमः।
१५५ ॐ रजोवत्यै नमः।
१५६ ॐ अर्कप्रतिभायै नमः।

१५७ ॐ आकर्षिण्यै नमः।
१५८ ॐ कर्षिण्यै नमः।
१५९ ॐ रसायै नमः।
१६० ॐ परस्यै नमः।
१६१ ॐ वसुमत्यै नमः।
१६२ ॐ देवायै नमः।
१६३ ॐ कान्त्यै नमः।
१६४ ॐ शान्त्यै नमः।
१६५ ॐ मत्यै नमः।
१६६ ॐ कलायै नमः।
१६७ ॐ कलायै नमः।
१६८ ॐ कलङ्करहितायै नमः।
१६९ ॐ विशालोद्दीपन्यै नमः।
१७० ॐ रत्यै नमः।
१७१ ॐ सम्बोधिन्यै नमः।
१७२ ॐ हारिण्यै नमः।

१७३ ॐ प्रभावायै नमः।
१७४ ॐ भवभूतिदायै नमः।
१७५ ॐ अमृतस्यन्दिन्यै नमः।
१७६ ॐ जीवायै नमः।
१७७ ॐ जनन्यै नमः।
१७८ ॐ खण्डिकायै नमः।
१७९ ॐ स्थिरायै नमः।
१८० ॐ धूमायै नमः।
१८१ ॐ कलावत्यै नमः।
१८२ ॐ पूर्णायै नमः।
१८३ ॐ भासुरायै नमः।
१८४ ॐ सुमत्यै नमः।
१८५ ॐ रसायै नमः।
१८६ ॐ शुद्धायै नमः।
१८७ ॐ ध्वन्यै नमः।
१८८ ॐ सृत्यै नमः।

१८९ ॐ सृष्ट्यै नमः।

१९० ॐ विकृत्यै नमः।

१९१ ॐ कृष्ट्यै नमः।

१९२ ॐ प्रापण्यै नमः।

१९३ ॐ प्राणदायै नमः।

१९४ ॐ प्रह्वायै नमः।

१९५ ॐ विश्वस्यै नमः।

१९६ ॐ पाण्डुरवासिन्यै नमः।

१९७ ॐ अवन्यै नमः।

१९८ ॐ वज्रनलिकायै नमः।

१९९ ॐ चित्रायै नमः।

२०० ॐ ब्रह्माण्डवासिन्यै नमः।

२०१ ॐ अनन्तरूपायै नमः।

२०२ ॐ अनन्तात्मने नमः।

२०३ ॐ अनन्तस्थायै नमः।

२०४ ॐ अनन्तसम्भवायै नमः।

२०५ ॐ महाशक्त्यै नमः।
२०६ ॐ प्राणशक्त्यै नमः।
२०७ ॐ प्राणदात्र्यै नमः।
२०८ ॐ रतिम्भरायै नमः।
२०९ ॐ महासमूहायै नमः।
२१० ॐ निखिलायै नमः।
२११ ॐ इच्छाधारायै नमः।
२१२ ॐ सुखावहायै नमः।
२१३ ॐ प्रत्यक्षलक्ष्म्यै नमः।
२१४ ॐ निष्कम्पायै नमः।
२१५ ॐ प्ररोहायै नमः।
२१६ ॐ बुद्धिगोचरायै नमः।
२१७ ॐ नानादेहायै नमः।
२१८ ॐ महावर्तायै नमः।
२१९ ॐ बहुदेहविकासिन्यै नमः।
२२० ॐ सहस्त्राण्यै नमः।

२२१ ॐ प्रधानायै नमः।
२२२ ॐ न्यायवस्तु-
प्रकाशिकायै नमः।
२२३ ॐ सर्वाभिलाष-
पूर्णेच्छायै नमः।
२२४ ॐ सर्वस्यै नमः।
२२५ ॐ सर्वार्थभाषिण्यै नमः।
२२६ ॐ नानास्वरूपचिद्धात्र्यै नमः।
२२७ ॐ शब्दपूर्वायै नमः।
२२८ ॐ पुरातनायै नमः।
२२९ ॐ व्यक्ताव्यक्तायै नमः।
२३० ॐ जीवकेशायै नमः।
२३१ ॐ सर्वेच्छापरिपूरितायै नमः।
२३२ ॐ संकल्पसिद्धायै नमः।
२३३ ॐ सांख्येयायै नमः।
२३४ ॐ तत्त्वगर्भायै नमः।

२३५ ॐ धरावहायै नमः।
२३६ ॐ भूतरूपायै नमः।
२३७ ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
२३८ ॐ त्रिगुणायै नमः।
२३९ ॐ गुणगर्वितायै नमः।
२४० ॐ प्रजापतीश्वर्यै नमः।
२४१ ॐ रौद्र्यै नमः।
२४२ ॐ सर्वाधारायै नमः।
२४३ ॐ सुखावहायै नमः।
२४४ ॐ कल्याणवाहिकायै नमः।
२४५ ॐ कल्यायै नमः।
२४६ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
२४७ ॐ नीरूपोद्भिन्नसंतानायै नमः।
२४८ ॐ सुयन्त्रायै नमः।

२४९ ॐ त्रिगुणालयायै नमः।
२५० ॐ महामायायै नमः।
२५१ ॐ योगमायायै नमः।
२५२ ॐ महायोगेश्वर्यै नमः।
२५३ ॐ प्रियायै नमः।
२५४ ॐ महास्त्रियै नमः।
२५५ ॐ विमलायै कीर्त्यै नमः।
२५६ ॐ जयायै नमः।
२५७ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२५८ ॐ निरञ्जनायै नमः।
२५९ ॐ प्रकृत्यै नमः।
२६० ॐ भगवन्मायायै नमः।
२६१ ॐ शक्त्यै नमः।
२६२ ॐ निद्रायै नमः।
२६३ ॐ यशस्कर्यै नमः।
२६४ ॐ चिन्तायै नमः।

२६५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
२६६ ॐ यशःप्राज्ञायै नमः।
२६७ ॐ शान्त्यै नमः।
२६८ ॐ आप्रीतिवर्द्धिन्यै नमः।
२६९ ॐ प्रद्युम्नमात्रे नमः।
२७० ॐ साध्व्यै नमः।
२७१ ॐ सुखसौभाग्य-
सिद्धिदायै नमः।
२७२ ॐ काष्ठायै नमः।
२७३ ॐ निष्ठायै नमः।
२७४ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
२७५ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
२७६ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
२७७ ॐ जयावहायै नमः।
२७८ ॐ सर्वातिशायिन्यै नमः।
२७९ ॐ प्रीत्यै नमः।

२८० ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
२८१ ॐ महाबलायै नमः।
२८२ ॐ वरिष्ठायै नमः।
२८३ ॐ विजयायै नमः।
२८४ ॐ वीरायै नमः।
२८५ ॐ जयन्त्यै नमः।
२८६ ॐ विजयप्रदायै नमः।
२८७ ॐ हृद्गृहायै नमः।
२८८ ॐ गोपिन्यै नमः।
२८९ ॐ गुह्यायै नमः।
२९० ॐ गणगन्धर्वसेवितायै नमः।
२९१ ॐ योगीश्वर्यै नमः।
२९२ ॐ योगमायायै नमः।
२९३ ॐ योगिन्यै नमः।
२९४ ॐ योगसिद्धिदायै नमः।
२९५ ॐ महायोगेश्वरवृतायै नमः।

२९६ ॐ योगायै नमः।
२९७ ॐ योगेश्वरप्रियायै नमः।
२९८ ॐ ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमितायै नमः।
२९९ ॐ सुरासुरवरप्रदायै नमः।
३०० ॐ त्रिवर्त्मगायै नमः।
३०१ ॐ त्रिलोकस्थायै नमः।
३०२ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भवायै नमः।
३०३ ॐ सुतारायै नमः।
३०४ ॐ तारिण्यै नमः।
३०५ ॐ तारायै नमः।
३०६ ॐ दुर्गायै नमः।
३०७ ॐ संतारिण्यै नमः।
३०८ ॐ परस्यै नमः।
३०९ ॐ सुतारिण्यै नमः।
३१० ॐ तारयन्त्यै नमः।
३११ ॐ भूरितारेश्वरप्रभायै नमः।

३१२ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
३१३ ॐ यज्ञविद्यायै नमः।
३१४ ॐ महाविद्यायै नमः।
३१५ ॐ सुशोभितायै नमः।
३१६ ॐ अध्यात्मविद्या-
विघ्नेश्यै नमः।
३१७ ॐ पद्मस्थायै नमः।
३१८ ॐ परमेष्ठिन्यै नमः।
३१९ ॐ आन्वीक्षिक्यै नमः।
३२० ॐ त्रयीवार्तायै नमः।
३२१ ॐ दण्डनीत्यै नमः।
३२२ ॐ नयात्मिकायै नमः।
३२३ ॐ गौर्यै नमः।
३२४ ॐ वागीश्वर्यै नमः।
३२५ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
३२६ ॐ गायत्र्यै नमः।

३२७ ॐ कमलोद्भवायै नमः।
३२८ ॐ विश्वम्भरायै नमः।
३२९ ॐ विश्वरूपायै नमः।
३३० ॐ विश्वमात्रे नमः।
३३१ ॐ वसुप्रदायै नमः।
३३२ ॐ सिद्ध्यै नमः।
३३३ ॐ स्वाहायै नमः।
३३४ ॐ स्वधायै नमः।
३३५ ॐ स्वस्त्यै नमः।
३३६ ॐ सुधायै नमः।
३३७ ॐ सर्वार्थसाधिन्यै नमः।
३३८ ॐ इच्छायै नमः।
३३९ ॐ सृष्ट्यै नमः।
३४० ॐ द्युत्यै नमः।
३४१ ॐ मूर्त्यै नमः।
३४२ ॐ कीर्त्यै नमः।

३४३ ॐ श्रद्धायै नमः।
३४४ ॐ दयामत्यै नमः।
३४५ ॐ श्रुत्यै नमः।
३४६ ॐ मेधायै नमः।
३४७ ॐ धृत्यै नमः।
३४८ ॐ ह्रियै नमः।
३४९ ॐ श्रियै नमः।
३५० ॐ विद्यायै नमः।
३५१ ॐ विबुधवन्दितायै नमः।
३५२ ॐ अनसूयायै नमः।
३५३ ॐ घृणायै नमः।
३५४ ॐ नीत्यै नमः।
३५५ ॐ निर्वृत्यै नमः।
३५६ ॐ कामधुक्करायै नमः।
३५७ ॐ प्रतिज्ञायै नमः।
३५८ ॐ संतत्यै नमः।

३५९ ॐ भूत्यै नमः।

३६० ॐ दिवे नमः।

३६१ ॐ प्रज्ञायै नमः।

३६२ ॐ विश्वमानिन्यै नमः।

३६३ ॐ स्मृत्यै नमः।

३६४ ॐ वाग्विश्वजनन्यै नमः।

३६५ ॐ पश्यन्त्यै नमः।

३६६ ॐ मध्यमायै नमः।

३६७ ॐ समायै नमः।

३६८ ॐ संध्यायै नमः।

३६९ ॐ मेधायै नमः।

३७० ॐ प्रभायै नमः।

३७१ ॐ भीमायै नमः।

३७२ ॐ सर्वाकारायै नमः।

३७३ ॐ सरस्वत्यै नमः।

३७४ ॐ काङ्क्षायै नमः।

३७५ ॐ मायायै नमः।
३७६ ॐ महामायायै नमः।
३७७ ॐ मोहिन्यै नमः।
३७८ ॐ माधवप्रियायै नमः।
३७९ ॐ सौम्यायै नमः।
३८० ॐ भोगायै नमः।
३८१ ॐ महाभोगायै नमः।
३८२ ॐ भोगिन्यै नमः।
३८३ ॐ भोगदायिन्यै नमः।
३८४ ॐ सुधौतकनकप्रख्यायै नमः।
३८५ ॐ सुवर्णकमलासनायै नमः।
३८६ ॐ हिरण्यगर्भायै नमः।
३८७ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
३८८ ॐ हारिण्यै नमः।
३८९ ॐ रमण्यै नमः।
३९० ॐ रमायै नमः।

३९१ ॐ चन्द्रायै नमः।
३९२ ॐ हिरणमय्यै नमः।
३९३ ॐ ज्योत्स्नायै नमः।
३९४ ॐ रम्यायै नमः।
३९५ ॐ शोभायै नमः।
३९६ ॐ शुभावहायै नमः।
३९७ ॐ त्रैलोक्यमण्डनायै नमः।
३९८ ॐ नार्यै नमः।
३९९ ॐ नरेश्वरवरार्चितायै नमः।
४०० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
४०१ ॐ रामायै नमः।
४०२ ॐ महाविभववाहिन्यै नमः।
४०३ ॐ पद्मस्थायै नमः।
४०४ ॐ पद्मनिलयायै नमः।
४०५ ॐ पद्ममालाविभूषितायै नमः।
४०६ ॐ पद्मयुग्मधरायै नमः।

४०७ ॐ कान्तायै नमः।
४०८ ॐ दिव्याभरण-
भूषितायै नमः।
४०९ ॐ विचित्ररत्नमुकुटायै नमः।
४१० ॐ विचित्राम्बर-
भूषणायै नमः।
४११ ॐ विचित्रमाल्य-
गन्धाढ्यायै नमः।
४१२ ॐ विचित्रायुधवाहनायै नमः।
४१३ ॐ महानारायण्यै नमः।
४१४ ॐ देव्यै नमः।
४१५ ॐ वैष्णव्यै नमः।
४१६ ॐ वीरवन्दितायै नमः।
४१७ ॐ कालसंकर्षिण्यै नमः।
४१८ ॐ घोरायै नमः।
४१९ ॐ तत्त्वसंकर्षिण्यै नमः।

४२० ॐ कलायै नमः।

४२१ ॐ जगत्सम्पूरण्यै नमः।

४२२ ॐ विश्वस्यै नमः।

४२३ ॐ महाविभवभूषणायै नमः।

४२४ ॐ वारुण्यै नमः।

४२५ ॐ वरदायै नमः।

४२६ ॐ व्याख्यायै नमः।

४२७ ॐ घण्टाकर्णविराजितायै नमः।

४२८ ॐ नृसिंह्यै नमः।

४२९ ॐ भैरव्यै नमः।

४३० ॐ ब्राह्मयै नमः।

४३१ ॐ भास्कर्यै नमः।

४३२ ॐ व्योमचारिण्यै नमः।

४३३ ॐ ऐन्द्र्यै नमः।

४३४ ॐ कामधेन्वै नमः।

४३५ ॐ सृष्ट्यै नमः।

४३६ ॐ कामयोन्यै नमः।
४३७ ॐ महाप्रभायै नमः।
४३८ ॐ दृष्टायै नमः।
४३९ ॐ काम्यायै नमः।
४४० ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
४४१ ॐ बीजगत्यात्मदर्शनायै नमः।
४४२ ॐ गरुडारूढहृदयायै नमः।
४४३ ॐ चान्द्रयै नमः।
४४४ ॐ श्रियै नमः।
४४५ ॐ मधुराननायै नमः।
४४६ ॐ महोग्ररूपायै नमः।
४४७ ॐ वाराह्यै नमः।
४४८ ॐ नारसिंह्यै नमः।
४४९ ॐ हतासुरायै नमः।
४५० ॐ युगान्तहुत-
भुग्ज्वालायै नमः।

४५१ ॐ करालायै नमः।
४५२ ॐ पिङ्गलायै नमः।
४५३ ॐ कलायै नमः।
४५४ ॐ त्रैलोक्यभूषणायै नमः।
४५५ ॐ भीमायै नमः।
४५६ ॐ श्यामायै नमः।
४५७ ॐ त्रैलोक्यमोहिन्यै नमः।
४५८ ॐ महोत्कटायै नमः।
४५९ ॐ महारक्तायै नमः।
४६० ॐ महाचण्डायै नमः।
४६१ ॐ महासनायै नमः।
४६२ ॐ शङ्खिन्यै नमः।
४६३ ॐ लेखिन्यै नमः।
४६४ ॐ स्वस्थालिखितायै नमः।
४६५ ॐ खेचरेश्वर्यै नमः।
४६६ ॐ भद्रकाल्यै नमः।

४६७ ॐ एकवीरायै नमः।
४६८ ॐ कौमार्यै नमः।
४६९ ॐ भवमालिन्यै नमः।
४७० ॐ कल्याण्यै नमः।
४७१ ॐ कामधुग्ज्वाला-
मुख्यै नमः।
४७२ ॐ उत्पलमालिकायै नमः।
४७३ ॐ बालिकायै नमः।
४७४ ॐ धनदायै नमः।
४७५ ॐ सूर्यायै नमः।
४७६ ॐ हृदयोत्पल-
मालिकायै नमः।
४७७ ॐ अजितायै नमः।
४७८ ॐ वर्षिण्यै नमः।
४७९ ॐ रीत्यै नमः।
४८० ॐ भरुण्डायै नमः।

४८१ ॐ गरुडासनायै नमः।
४८२ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
४८३ ॐ महामायायै नमः।
४८४ ॐ महाकाल्यै नमः।
४८५ ॐ विभीषणायै नमः।
४८६ ॐ महामन्दारविभवायै नमः।
४८७ ॐ शिवानन्दायै नमः।
४८८ ॐ रतिप्रियायै नमः।
४८९ ॐ उद्रीत्यै नमः।
४९० ॐ पद्ममालायै नमः।
४९१ ॐ धर्मवेगायै नमः।
४९२ ॐ विभावर्यै नमः।
४९३ ॐ सत्क्रियायै नमः।
४९४ ॐ देवसेनायै नमः।
४९५ ॐ हिरण्यरजताश्रयायै नमः।
४९६ ॐ सहसावर्तमानायै नमः।

४९७ ॐ हस्तिनादप्रमोदिन्यै नमः।
४९८ ॐ हिरण्यपद्मवर्णायै नमः।
४९९ ॐ हरिभद्रायै नमः।
५०० ॐ सुदुर्द्धरायै नमः।
५०१ ॐ सूर्यायै नमः।
५०२ ॐ हिरण्यप्रकटसदृश्यै नमः।
५०३ ॐ हेममालिन्यै नमः।
५०४ ॐ पद्माननायै नमः।
५०५ ॐ नित्यपुष्टायै नमः।
५०६ ॐ देवमात्रे नमः।
५०७ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
५०८ ॐ महाधनायै नमः।
५०९ ॐ शृङ्ग्यै नमः।
५१० ॐ कार्दम्यै नमः।
५११ ॐ कम्बुकन्धरायै नमः।
५१२ ॐ आदित्यवर्णायै नमः।

५१३ ॐ चन्द्राभायै नमः।
५१४ ॐ गन्धद्वारायै नमः।
५१५ ॐ दुरासदायै नमः।
५१६ ॐ वरार्चितायै नमः।
५१७ ॐ वरारोहायै नमः।
५१८ ॐ वरेण्यायै नमः।
५१९ ॐ विष्णुवल्लभायै नमः।
५२० ॐ कल्याण्यै नमः।
५२१ ॐ वरदायै नमः।
५२२ ॐ वामायै नमः।
५२३ ॐ वामेश्यै नमः।
५२४ ॐ विन्ध्यवासिन्यै नमः।
५२५ ॐ योगनिद्रायै नमः।
५२६ ॐ योगरतायै नमः।
५२७ ॐ देवक्यै नमः।
५२८ ॐ कामरूपिण्यै नमः।

५२९ ॐ कंसविद्राविण्यै नमः।
५३० ॐ दुर्गायै नमः।
५३१ ॐ कौमार्यै नमः।
५३२ ॐ कौशिक्यै नमः।
५३३ ॐ क्षमायै नमः।
५३४ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५३५ ॐ कालरात्र्यै नमः।
५३६ ॐ निशितृप्तायै नमः।
५३७ ॐ सुदुर्जयायै नमः।
५३८ ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
५३९ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
५४० ॐ भक्तानां परिरक्षिण्यै नमः।
५४१ ॐ बहुरूपायै नमः।
५४२ ॐ स्वरूपायै नमः।
५४३ ॐ विरूपायै नमः।
५४४ ॐ रूपवर्जितायै नमः।

५४५ ॐ घण्टानिनादबहुलायै नमः।
५४६ ॐ जीमूतध्वनि-
निःस्वनायै नमः।
५४७ ॐ महादेवेन्द्रमथिन्यै नमः।
५४८ ॐ भ्रुकुटीकुटिलान-
नायै नमः।
५४९ ॐ सत्योपयाचितायै नमः।
५५० ॐ एकस्यै नमः।
५५१ ॐ कौबेर्यै नमः।
५५२ ॐ ब्रह्मचारिण्यै नमः।
५५३ ॐ आर्यायै नमः।
५५४ ॐ यशोदायै नमः।
५५५ ॐ सुतदायै नमः।
५५६ ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
५५७ ॐ दारिद्र्यदुःखशमन्यै नमः।
५५८ ॐ घोरदुर्गार्तिनाशिन्यै नमः।

५५९ ॐ भक्तार्तिशमन्यै नमः।

५६० ॐ भव्यायै नमः।

५६१ ॐ भवभर्गापहारिण्यै नमः।

५६२ ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः।

५६३ ॐ पद्मायै नमः।

५६४ ॐ कमलायै नमः।

५६५ ॐ धरणीधरायै नमः।

५६६ ॐ रुक्मिण्यै नमः।

५६७ ॐ रोहिण्यै नमः।

५६८ ॐ सीतायै नमः।

५६९ ॐ सत्यभामायै नमः।

५७० ॐ यशस्विन्यै नमः।

५७१ ॐ प्रज्ञाधारायै नमः।

५७२ ॐ अमितप्रज्ञायै नमः।

५७३ ॐ वेदमात्रे नमः।

५७४ ॐ यशोवत्यै नमः।

५७५ ॐ समाधये नमः।
५७६ ॐ भावनायै नमः।
५७७ ॐ मैत्र्यै नमः।
५७८ ॐ करुणायै नमः।
५७९ ॐ भक्तवत्सलायै नमः।
५८० ॐ अन्तर्वेद्यै नमः।
५८१ ॐ दक्षिणस्यै नमः।
५८२ ॐ ब्रह्मचर्यपरायै नमः।
५८३ ॐ गत्यै नमः।
५८४ ॐ दीक्षायै नमः।
५८५ ॐ वीक्षायै नमः।
५८६ ॐ परीक्षायै नमः।
५८७ ॐ समीक्षायै नमः।
५८८ ॐ वीरवत्सलायै नमः।
५८९ ॐ अम्बिकायै नमः।
५९० ॐ सुरभ्यै नमः।

५११ ॐ सिद्धायै नमः।
५१२ ॐ सिद्धविद्याधरा-
र्चितायै नमः।
५१३ ॐ सुदीक्षायै नमः।
५१४ ॐ लेलिहानायै नमः।
५१५ ॐ करालायै नमः।
५१६ ॐ विश्वपूरकायै नमः।
५१७ ॐ विश्वसंधारिण्यै नमः।
५१८ ॐ दीप्त्यै नमः।
५१९ ॐ तापन्यै नमः।
६०० ॐ ताण्डवप्रियायै नमः।
६०१ ॐ उद्भवायै नमः।
६०२ ॐ विरजायै नमः।
६०३ ॐ राज्ञ्यै नमः।
६०४ ॐ तापन्यै नमः।
६०५ ॐ बिन्दुमालिन्यै नमः।

६०६ ॐ क्षीरधारायै नमः।
६०७ ॐ सुप्रभावायै नमः।
६०८ ॐ लोकमात्रे नमः।
६०९ ॐ सुवर्चसायै नमः।
६१० ॐ हव्यगर्भायै नमः।
६११ ॐ आज्यगर्भायै नमः।
६१२ ॐ जुह्वतो यज्ञसम्भवायै नमः।
६१३ ॐ आप्यायन्यै नमः।
६१४ ॐ पावन्यै नमः।
६१५ ॐ दहन्यै नमः।
६१६ ॐ दहनाश्रयायै नमः।
६१७ ॐ मातृकायै नमः।
६१८ ॐ माधव्यै नमः।
६१९ ॐ मुख्यायै नमः।
६२० ॐ मोक्षलक्ष्म्यै नमः।
६२१ ॐ महर्द्धिदायै नमः।

६२२ ॐ सर्वकामप्रदायै नमः।
६२३ ॐ भद्रायै नमः।
६२४ ॐ सुभद्रायै नमः।
६२५ ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।
६२६ ॐ श्वेतायै नमः।
६२७ ॐ सुशुक्लवसनायै नमः।
६२८ ॐ शुक्लमाल्यानुलेपनायै नमः।
६२९ ॐ हंसाहीनकर्यै नमः।
६३० ॐ हंस्यै नमः।
६३१ ॐ हृद्यायै नमः।
६३२ ॐ हृत्कमलालयायै नमः।
६३३ ॐ सितातपत्रायै नमः।
६३४ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
६३५ ॐ पद्मपत्रायतेक्षणायै नमः।
६३६ ॐ सावित्र्यै नमः।

६३७ ॐ सत्यसंकल्पायै नमः।
६३८ ॐ कामदायै नमः।
६३९ ॐ कामकामिन्यै नमः।
६४० ॐ दर्शनीयायै नमः।
६४१ ॐ दृशायै नमः।
६४२ ॐ दृश्यायै नमः।
६४३ ॐ स्पृश्यायै नमः।
६४४ ॐ सेव्यायै नमः।
६४५ ॐ वराङ्गनायै नमः।
६४६ ॐ भोगप्रियायै नमः।
६४७ ॐ भोगवत्यै नमः।
६४८ ॐ भोगीन्द्रशयनासनायै नमः।
६४९ ॐ आर्द्रायै नमः।
६५० ॐ पुष्करिण्यै नमः।
६५१ ॐ पुण्यायै नमः।
६५२ ॐ पावन्यै नमः।

६५३ ॐ पापसूदन्यै नमः।

६५४ ॐ श्रीमत्यै नमः।

६५५ ॐ शुभाकारायै नमः।

६५६ ॐ परमैश्वर्यभूतिदायै नमः।

६५७ ॐ अचिन्त्यानन्त-
विभवायै नमः।

६५८ ॐ भवभावविभावन्यै नमः।

६५९ ॐ निश्रेण्यै नमः।

६६० ॐ सर्वदेहस्थायै नमः।

६६१ ॐ सर्वभूतनमस्कृतायै नमः।

६६२ ॐ बलायै नमः।

६६३ ॐ बलाधिकायै नमः।

६६४ ॐ देव्यै गौतम्यै नमः।

६६५ ॐ गोकुलालयायै नमः।

६६६ ॐ तोषिण्यै नमः।

६६७ ॐ पूर्णचन्द्राभायै नमः।

६६८ ॐ एकानन्दायै नमः।
६६९ ॐ शताननायै नमः।
६७० ॐ उद्याननगरद्वारहर्म्यों-
पवनवासिन्यै नमः।
६७१ ॐ कूष्माण्डायै नमः।
६७२ ॐ दारुणायै नमः।
६७३ ॐ चण्डायै नमः।
६७४ ॐ किरात्यै नमः।
६७५ ॐ नन्दनालयायै नमः।
६७६ ॐ कालायनायै नमः।
६७७ ॐ कालगम्यायै नमः।
६७८ ॐ भयदायै नमः।
६७९ ॐ भयनाशिन्यै नमः।
६८० ॐ सौदामन्यै नमः।
६८१ ॐ मेघरवायै नमः।
६८२ ॐ दैत्यदानवमर्दिन्यै नमः।

६८३ ॐ जगन्मात्रे नमः।
६८४ ॐ अभयकर्यै नमः।
६८५ ॐ भूतधर्त्र्यै नमः।
६८६ ॐ सुदुर्लभायै नमः।
६८७ ॐ काश्यप्यै नमः।
६८८ ॐ शुभदात्र्यै नमः।
६८९ ॐ वनमालायै नमः।
६९० ॐ शुभायै नमः।
६९१ ॐ वरायै नमः।
६९२ ॐ धन्यायै नमः।
६९३ ॐ धन्येश्वर्यै नमः।
६९४ ॐ धन्यायै नमः।
६९५ ॐ रत्नदायै नमः।
६९६ ॐ वसुवर्द्धिन्यै नमः।
६९७ ॐ गान्धर्व्यै नमः।
६९८ ॐ रेवत्यै नमः।

६९९ ॐ गङ्गायै नमः।
७०० ॐ शकुन्यै नमः।
७०१ ॐ विमलाननायै नमः।
७०२ ॐ इडायै नमः।
७०३ ॐ शान्तिकर्यैं नमः।
७०४ ॐ तामस्यै नमः।
७०५ ॐ कमलालयायै नमः।
७०६ ॐ आज्यपायै नमः।
७०७ ॐ वज्रकौमार्यैं नमः।
७०८ ॐ सोमपायै नमः।
७०९ ॐ कुसुमाश्रयायै नमः।
७१० ॐ जगत्प्रियायै नमः।
७११ ॐ सरथायै नमः।
७१२ ॐ दुर्जयायै नमः।
७१३ ॐ खगवाहनायै नमः।
७१४ ॐ मनोभवायै नमः।

७१५ ॐ कामचारायै नमः।
७१६ ॐ सिद्धचारणसेवितायै नमः।
७१७ ॐ व्योमलक्ष्म्यै नमः।
७१८ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
७१९ ॐ तेजोलक्ष्म्यै नमः।
७२० ॐ सुजाज्वलायै नमः।
७२१ ॐ रसलक्ष्म्यै नमः।
७२२ ॐ जगद्योन्यै नमः।
७२३ ॐ गन्धलक्ष्म्यै नमः।
७२४ ॐ वनाश्रयायै नमः।
७२५ ॐ श्रवणायै नमः।
७२६ ॐ श्रावण्यै नमः।
७२७ ॐ नेत्र्यै नमः।
७२८ ॐ रसनाप्राणचारिण्यै नमः।
७२९ ॐ विरिञ्चिमात्रे नमः।
७३० ॐ विभवायै नमः।

७३१ ॐ वरवारिजवाहनायै नमः।
७३२ ॐ वीर्यायै नमः।
७३३ ॐ वीरेश्वर्यै नमः।
७३४ ॐ वन्द्यायै नमः।
७३५ ॐ विशोकायै नमः।
७३६ ॐ वसुवर्द्धिन्यै नमः।
७३७ ॐ अनाहतायै नमः।
७३८ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
७३९ ॐ नलिन्यै नमः।
७४० ॐ वनवासिन्यै नमः।
७४१ ॐ गान्धारिण्यै नमः।
७४२ ॐ इन्द्रनमितायै नमः।
७४३ ॐ सुरेन्द्रनमितायै नमः।
७४४ ॐ सत्यै नमः।
७४५ ॐ सर्वमङ्गल्य-
माङ्गल्यायै नमः।

७४६ ॐ सर्वकामसमृद्धिदायै नमः।
७४७ ॐ सर्वानन्दायै नमः।
७४८ ॐ महानन्दायै नमः।
७४९ ॐ सत्कीर्त्यै नमः।
७५० ॐ सिद्धसेवितायै नमः।
७५१ ॐ सिनीवाल्यै नमः।
७५२ ॐ कुह्वै नमः।
७५३ ॐ राकायै नमः।
७५४ ॐ अमायै नमः।
७५५ ॐ अनुमत्यै नमः।
७५६ ॐ द्युत्यै नमः।
७५७ ॐ अरुन्धत्यै नमः।
७५८ ॐ वसुमत्यै नमः।
७५९ ॐ भार्गव्यै नमः।
७६० ॐ वास्तुदेवतायै नमः।
७६१ ॐ मायूर्यै नमः।

७६२ ॐ वज्रवेताल्यै नमः।
७६३ ॐ वज्रहस्तायै नमः।
७६४ ॐ वराननायै नमः।
७६५ ॐ अनघायै नमः।
७६६ ॐ धरण्यै नमः।
७६७ ॐ धीरायै नमः।
७६८ ॐ धमन्यै नमः।
७६९ ॐ मणिभूषणायै नमः।
७७० ॐ राजश्रियै नमः।
७७१ ॐ रूपसहितायै नमः।
७७२ ॐ ब्रह्मश्रियै नमः।
७७३ ॐ ब्रह्मवन्दितायै नमः।
७७४ ॐ जयश्रियै नमः।
७७५ ॐ जयदायै नमः।
७७६ ॐ ज्ञेयायै नमः।
७७७ ॐ सर्गश्रियै नमः।

७७८ ॐ सतां स्वर्गत्यै नमः।

७७९ ॐ सुपुष्पायै नमः।

७८० ॐ पुष्पनिलयायै नमः।

७८१ ॐ फलश्रियै नमः।

७८२ ॐ निष्कलप्रियायै नमः।

७८३ ॐ धनुर्लक्ष्म्यै नमः।

७८४ ॐ अमिलितायै नमः।

७८५ ॐ परक्रोधनिवारिण्यै नमः।

७८६ ॐ कद्रवे नमः।

७८७ ॐ धनायुषे नमः।

७८८ ॐ कपिलायै नमः।

७८९ ॐ सुरसायै नमः।

७९० ॐ सुरमोहिन्यै नमः।

७९१ ॐ महाश्वेतायै नमः।

७९२ ॐ महानीलायै नमः।

७९३ ॐ महामूर्त्यै नमः।

७९४ ॐ विषापहायै नमः।

७९५ ॐ सुप्रभायै नमः।

७९६ ॐ ज्वालिन्यै नमः।

७९७ ॐ दीप्त्यै नमः।

७९८ ॐ तृप्त्यै नमः।

७९९ ॐ व्याप्त्यै नमः।

८०० ॐ प्रभाकर्यै नमः।

८०१ ॐ तेजोवत्यै नमः।

८०२ ॐ पद्मबोधायै नमः।

८०३ ॐ मदलेखायै नमः।

८०४ ॐ अरुणावत्यै नमः।

८०५ ॐ रत्नायै नमः।

८०६ ॐ रत्नावल्यै नमः।

८०७ ॐ भूतायै नमः।

८०८ ॐ शतधाम्ने नमः।

८०९ ॐ शतापहायै नमः।

८१० ॐ त्रिगुणायै नमः।
८११ ॐ घोषिण्यै नमः।
८१२ ॐ रक्ष्यायै नमः।
८१३ ॐ नर्दिन्यै नमः।
८१४ ॐ घोषवर्जितायै नमः।
८१५ ॐ साध्यायै नमः।
८१६ ॐ अदित्यै नमः।
८१७ ॐ दित्यै नमः।
८१८ ॐ देव्यै नमः।
८१९ ॐ मृगवाहायै नमः।
८२० ॐ मृगाङ्कगायै नमः।
८२१ ॐ चित्रनीलोत्पल-
गतायै नमः।
८२२ ॐ वृषरत्नकराश्रयायै नमः।
८२३ ॐ हिरण्यरजतद्वन्द्वायै नमः।
८२४ ॐ शङ्खभद्रासनस्थितायै नमः।

८२५ ॐ गोमूत्रगोमयक्षीरदधि-सर्पिर्जलाश्रयायै नमः।
८२६ ॐ मरीच्यै नमः।
८२७ ॐ चीरवसनायै नमः।
८२८ ॐ पूर्णायै नमः।
८२९ ॐ चन्द्रार्कविष्टरायै नमः।
८३० ॐ सुसूक्ष्मायै नमः।
८३१ ॐ निर्वृत्यै नमः।
८३२ ॐ स्थूलायै नमः।
८३३ ॐ निवृत्तारात्यै नमः।
८३४ ॐ मरीच्यै नमः।
८३५ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
८३६ ॐ धूम्रायै नमः।
८३७ ॐ हव्यवाहायै नमः।
८३८ ॐ हिरण्यदायै नमः।
८३९ ॐ दायिन्यै नमः।

८४० ॐ कालिन्यै नमः।
८४१ ॐ सिद्ध्यै नमः।
८४२ ॐ शोषिण्यै नमः।
८४३ ॐ सम्प्रबोधिन्यै नमः।
८४४ ॐ भास्वरायै नमः।
८४५ ॐ संहत्यै नमः।
८४६ ॐ तीक्ष्णायै नमः।
८४७ ॐ प्रचण्डज्वलनायै नमः।
८४८ ॐ उज्ज्वलायै नमः।
८४९ ॐ साङ्गायै नमः।
८५० ॐ प्रचण्डायै नमः।
८५१ ॐ दीप्तायै नमः।
८५२ ॐ वैद्युत्यै नमः।
८५३ ॐ सुमहाद्युत्यै नमः।
८५४ ॐ कपिलायै नमः।
८५५ ॐ नीलरक्तायै नमः।

८५६ ॐ सुषुम्णायै नमः।
८५७ ॐ विस्फुलिङ्गिन्यै नमः।
८५८ ॐ अर्चिष्मत्यै नमः।
८५९ ॐ रिपुहरायै नमः।
८६० ॐ दीर्घायै नमः।
८६१ ॐ धूमावल्यै नमः।
८६२ ॐ जरायै नमः।
८६३ ॐ सम्पूर्णमण्डलायै नमः।
८६४ ॐ पूषायै नमः।
८६५ ॐ स्त्रंसिन्यै नमः।
८६६ ॐ सुमनोहरायै नमः।
८६७ ॐ जयायै नमः।
८६८ ॐ पुष्टिकर्यै नमः।
८६९ ॐ छायायै नमः।
८७० ॐ मानसायै नमः।
८७१ ॐ हृदयोज्ज्वलायै नमः।

८७२ ॐ सुवर्णकरण्यै नमः।
८७३ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
८७४ ॐ रणे मृतसञ्जीवन्यै नमः।
८७५ ॐ विशल्यकरण्यै नमः।
८७६ ॐ शुभ्रायै नमः।
८७७ ॐ संधिन्यै नमः।
८७८ ॐ परमौषधये नमः।
८७९ ॐ ब्रह्मिष्ठायै नमः।
८८० ॐ ब्रह्मसहितायै नमः।
८८१ ॐ ऐन्दव्यै नमः।
८८२ ॐ रत्नसम्भवायै नमः।
८८३ ॐ विद्युत्प्रभायै नमः।
८८४ ॐ बिन्दुमत्यै नमः।
८८५ ॐ त्रिस्वभावागुणा-
म्बिकायै नमः।
८८६ ॐ नित्योदितायै नमः।
८८७ ॐ नित्यहृष्टायै नमः।
८८८ ॐ नित्यकामकरीषिण्यै नमः।

८८९ ॐ पद्माङ्कायै नमः।
८९० ॐ वज्रचिह्नायै नमः।
८९१ ॐ वक्रदण्डविभासिन्यै नमः।
८९२ ॐ विदेहपूजितायै नमः।
८९३ ॐ कन्यायै नमः।
८९४ ॐ मायायै नमः।
८९५ ॐ विजयवाहिन्यै नमः।
८९६ ॐ मानिन्यै नमः।
८९७ ॐ मङ्गलायै नमः।
८९८ ॐ मान्यायै नमः।
८९९ ॐ मानिन्यै नमः।
९०० ॐ मानदायिन्यै नमः।
९०१ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
९०२ ॐ गणवत्यै नमः।
९०३ ॐ मण्डलायै नमः।
९०४ ॐ मण्डलेश्वर्यै नमः।
९०५ ॐ हरिप्रियायै नमः।
९०६ ॐ भौमसुतायै नमः।

१०७ ॐ मनोज्ञायै नमः।
१०८ ॐ मतिदायिन्यै नमः।
१०९ ॐ प्रत्यङ्गिरायै नमः।
११० ॐ सोमगुप्तायै नमः।
१११ ॐ मनोऽभिज्ञायै नमः।
११२ ॐ वदन्मत्यै नमः।
११३ ॐ यशोधरायै नमः।
११४ ॐ रत्नमालायै नमः।
११५ ॐ कृष्णायै नमः।
११६ ॐ त्रैलोक्यबन्धन्यै नमः।
११७ ॐ अमृतायै नमः।
११८ ॐ धारिण्यै नमः।
११९ ॐ हर्षायै नमः।
१२० ॐ विनतायै नमः।
१२१ ॐ वल्लक्यै नमः।
१२२ ॐ शच्यै नमः।
१२३ ॐ संकल्पायै नमः।
१२४ ॐ भामिन्यै नमः।

१२५ ॐ मिश्रायै नमः ।
१२६ ॐ कादम्बर्यै नमः ।
१२७ ॐ अमृतायै नमः ।
१२८ ॐ प्रभायै नमः ।
१२९ ॐ अगतायै नमः ।
१३० ॐ निर्गतायै नमः ।
१३१ ॐ वज्रायै नमः ।
१३२ ॐ सुहितायै नमः ।
१३३ ॐ सहितायै नमः ।
१३४ ॐ अक्षतायै नमः ।
१३५ ॐ सर्वार्थसाधनकर्यै नमः ।
१३६ ॐ धातुर्धारणिकायै नमः ।
१३७ ॐ अमलायै नमः ।
१३८ ॐ करुणाधारसम्भूतायै नमः ।
१३९ ॐ कमलाक्ष्यै नमः ।
१४० ॐ शशिप्रियायै नमः ।
१४१ ॐ सौम्यरूपायै नमः ।
१४२ ॐ महादीप्तायै नमः ।

१४३ ॐ महाज्वालायै नमः।
१४४ ॐ विकाशिन्यै नमः।
१४५ ॐ मालायै नमः।
१४६ ॐ काञ्चनमालायै नमः।
१४७ ॐ सद्वज्रायै नमः।
१४८ ॐ कनकप्रभायै नमः।
१४९ ॐ प्रक्रियायै नमः।
१५० ॐ परमायै नमः।
१५१ ॐ योक्त्र्यै नमः।
१५२ ॐ क्षोभिकायै नमः।
१५३ ॐ सुखोदयायै नमः।
१५४ ॐ विजृम्भणायै नमः।
१५५ ॐ वज्राख्यायै नमः।
१५६ ॐ शृङ्खलायै नमः।
१५७ ॐ कमलेक्षणायै नमः।
१५८ ॐ जयंकर्यै नमः।
१५९ ॐ मधुमत्यै नमः।
१६० ॐ हरितायै नमः।

१६१ ॐ शशिन्यै नमः।
१६२ ॐ शिवायै नमः।
१६३ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
१६४ ॐ ईशान्यै नमः।
१६५ ॐ योगमात्रे नमः।
१६६ ॐ मनोजवायै नमः।
१६७ ॐ धर्मोदयायै नमः।
१६८ ॐ भानुमत्यै नमः।
१६९ ॐ सर्वाभासायै नमः।
१७० ॐ सुखावहायै नमः।
१७१ ॐ धुरन्धरायै नमः।
१७२ ॐ बालायै नमः।
१७३ ॐ धर्मसेव्यायै नमः।
१७४ ॐ तथागतायै नमः।
१७५ ॐ सुकुमारायै नमः।
१७६ ॐ सौम्यमुख्यै नमः।
१७७ ॐ सौम्यसम्बोधनायै नमः।
१७८ ॐ उत्तमायै नमः।

१७९ ॐ सुमुख्यै नमः।
१८० ॐ सर्वतोभद्रायै नमः।
१८१ ॐ गुह्यशक्त्यै नमः।
१८२ ॐ गुहालयायै नमः।
१८३ ॐ हलायुधायै नमः।
१८४ ॐ एकवीरायै नमः।
१८५ ॐ सर्वशस्त्रसुधारिण्यै नमः।
१८६ ॐ व्योमशक्त्यै नमः।
१८७ ॐ महादेहायै नमः।
१८८ ॐ व्योमगायै नमः।
१८९ ॐ मधुमन्मय्यै नमः।
१९० ॐ गङ्गायै नमः।
१९१ ॐ वितस्तायै नमः।
१९२ ॐ यमुनायै नमः।
१९३ ॐ चन्द्रभागायै नमः।
१९४ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१९५ ॐ तिलोत्तमायै नमः।
१९६ ॐ उर्वश्यै नमः।

९९७ ॐ रम्भायै नमः।

९९८ ॐ स्वामिन्यै नमः।

९९९ ॐ सुरसुन्दर्यै नमः।

१००० ॐ बाणप्रहरणायै नमः।

१००१ ॐ बालायै नमः।

१००२ ॐ बिम्बोष्ठ्यै नमः।

१००३ ॐ चारुहासिन्यै नमः।

१००४ ॐ ककुद्मिन्यै नमः।

१००५ ॐ चारुपृष्ठायै नमः।

१००६ ॐ दृष्टादृष्टफलप्रदायै नमः।

१००७ ॐ काम्याचर्यै नमः।

१००८ ॐ काम्यायै नमः।

१००९ ॐ कामाचारविहारिण्यै नमः।

१०१० ॐ हिमशैलेन्द्र-
संकाशायै नमः।

१०११ ॐ गजेन्द्रवरवाहनायै नमः।

१०१२ ॐ अशेषसुखसौभाग्य-
सम्पदामुत्तमायै योन्यै नमः।

१०१३ ॐ सर्वोत्कृष्टायै नमः।
१०१४ ॐ सर्वमय्यै नमः।
१०१५ ॐ सर्वस्यै नमः।
१०१६ ॐ सर्वेश्वरप्रियायै नमः।
१०१७ ॐ सर्वाङ्गयोन्यै नमः।
१०१८ ॐ अव्यक्तायै नमः।
१०१९ ॐ सम्प्रधानेश्वरे-
श्वर्यै नमः।
१०२० ॐ विष्णुवक्षः-
स्थलगतायै नमः।

॥ इति ब्रह्मपुराणे श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

~~○~~